भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 2493
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 3 अगस्त, 2026
12 श्रावण,1948 (शक)

माजुली में सत्र-संरक्षण

2493. **श्री गौरव गोगोई:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) विगत पांच वर्षों के दौरान माजुली में केंद्रीय संरक्षण निधि प्राप्त करने वाले सत्रों की संख्या कितनी है और कुल कितनी निधि संवितरित की गई है;
(ख) अपरदन के कारण दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर हुए सत्रों की संख्या कितनी है और उनमें से प्रत्येक सत्र को कितनी पुनर्वास सहायता प्रदान की गई है;
(ग) क्या माजुली की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के लिए कोई समर्पित संरक्षण और दस्तावेजीकरण कार्यक्रम मौजूद है; और
(घ) सरकार द्वारा बाढ़ के कारण नष्ट होने के आसन्न जोखिम का सामना कर रही सत्र परंपराओं को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): माजुली के सत्र, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत केंद्रीय संरक्षित स्मारक नहीं हैं। इसके संरक्षण के लिए वित्त पोषण और भूमि के कटाव के कारण जगह बदलने को मजबूर किए गए सत्रों की संख्या के बारे में कोई जानकारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास उपलब्ध नहीं है।

(ग): माजुली की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के लिए विशेष रूप से समर्पित कोई भी प्रमुख कार्यक्रम नहीं है। तथापि, माजुली सांस्कृतिक परिदृश्य प्रबंधन प्राधिकरण (एमसीएलएमए), माजुली सांस्कृतिक परिदृश्य क्षेत्र अधिनियम, 2006 के तहत वैधानिक निकाय है, जो माजुली की मूर्त और अमूर्त दोनों संपत्तियों की रक्षा करता है।

तथापि, पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी) सांस्कृतिक कार्यक्रमों और त्योहारों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देता है। माजुली के सत्रों के सांस्कृतिक समूहों ने एनईजेडसीसी के कार्यक्रमों जैसे महाकुंभ मेला, माधवपुर घेड़ मेला, कृष्ण-रुक्मिणी विवाह महोत्सव और अन्य राष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोहों में भाग लिया है। गुरु-शिष्य परंपरा योजना के तहत, पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ने पारंपरिक सत्र पांडुलिपि ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण के लिए गरमूर सत्र, माजुली से एक गुरु शिष्य परंपरा केंद्र को भी प्रायोजित किया है।

(घ): गंभीर रूप से खतरे में पड़ी सत्र परंपरा को डिजिटल रूप से संग्रहित करने के लिए कोई विशिष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। तथापि, एनईजेडसीसी द्वारा आयोजित सत्रों के सांस्कृतिक प्रदर्शनों की तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्डिंग कार्यक्रम प्रलेखन के लिए रखी जाती हैं।

*****